www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 बड़ी जीत है द रेजिस्टेंट फ्रंट का आतंकी...
3 विद्यापति मंदिर परिसर में बीहट चेयरमैन बबीता...
4 प्रॉपर्टी आई.डी. स्व-प्रमाणित करने के लिए...

वर्षः 9 | अंकः 269 | दिल्ली, बुधवार, 23 जुलाई 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

■ संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बारिश और कांवड़ यात्रा के चलते यातायात बाधित

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रीय राजधानी में भारी बारिश और कांवड़ियों की भीड़ के कारण मंगलवार को यातायात लगभग ठप हो गया, जिससे कई यात्री घंटों तक फंसे रहे। सुबह के समय भारी बारिश के कारण कई प्रमुख सड़कें जलमग्न हो गईं। वहीं, पैदल चल रहे तीर्थयात्रियों के कारण कई मुख्य मार्ग अवरुद्ध हो गए। कई जगहों पर सड़कों पर हाल ही में बिछाई गई डामर की परत बारिश के कारण उखड़ गई, जिससे गड्ढे उभर आए और यातायात और धीमा हो गया। आईटीओ, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-आठ), महरौली-बदरपुर रोड, महरौली-गुरुग्राम रोड, पीरागढ़ी से आईएसबीटी, मधुबन चौक, दिल्ली-गाजियाबाद और राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर कई घंटों तक भारी जाम की स्थिति रही। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), सफदरजंग अस्पताल और आश्रम क्षेत्र की ओर जाने वाली सड़कों सहित दक्षिणी दिल्ली की कई सड़कों पर यातायात दोपहर और शाम के समय में बाधित हुआ। महरौली-बदरपुर मार्ग सबसे अधिक प्रभावित रहा, जहां दोपहर तक यातायात बाधित रहा। बड़ी संख्या में कांवड़िये पहले से ही जलमग्न सड़कों के किनारे चलते देखे गए। नांगलोई से नजफगढ़ की ओर और आनंद विहार के पास, सड़कों के किनारे कई कांवड़ शिविर लगे हुए थे, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

पिकअप वाहन के हाईटेंशन तार की चपेट में आने से दो कांवड़ियों की मौत

हरियाणा। हरियाणा के यमुनानगर जिले में मंगलवार को एक पिकअप वाहन के हाई-टेंशन तार के संपर्क में आने से दो कांवड़ियों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब गुमथला गांव से 15 कांवड़ियों का एक समूह हरिद्वार जा रहा था। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, दो अन्य गंभीर रूप से झुलस गए, जबकि छह को चोटें आई हैं। पुलिस ने बताया कि कांवड़ियों ने वाहन को बारिश से बचाने के लिए उस पर तिरपाल लगायी थी और बीच में तिरपाल को टिकाए रखने के लिए लोहे का पाइप लगाया था। गांव की संकरी गलियों से गुजरते समय लोहे का पाइप ऊपर से गुजर रहे हाई वोल्टेज तार के संपर्क में आ गया।

पौड़ी में श्रीकोट मेडिकल कॉलेज की छात्रा ने की आत्महत्या

उत्तराखंड (एजेन्सी)। उत्तराखंड के पौड़ी जिले के एक मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत झारखंड की एक छात्रा ने अपने कमरे में कथित तौर पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना श्रीनगर के श्रीकोट मेडिकल कॉलेज में सोमवार को हुई जहां रांची के लालपुर की रहने वाली आकृति श्रेया (27) स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रही थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया जहां श्रेया फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। उन्होंने बताया कि प्रथमदृष्ट्या यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, पुलिस ने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। श्रेया के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

लोकसभा और राज्यसभा में जमकर हंगामा, दोनों सदनों की कार्यवाही हुई स्थगित

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। मंगलवार सुबह राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही फिर से शुरू हुई, लेकिन दोनों सदनों में भारी हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने बिहार मतदाता सूची संशोधन के विरोध में नारेबाजी की और विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद दोनों सदनों की कार्यवाही बुधवार, 23 जुलाई सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्षी सांसदों ने केंद्र के खिलाफ नारे लगाए और कई मुद्दों पर पर चर्चा की मांग की।

विपक्षी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर मंगलवार को संसद के भीतर और बाहर विरोध जताया। विपक्षी सांसदों ने पहले संसद परिसर में प्रदर्शन किया और फिर लोकसभा एवं राज्यसभा में भी इस मुद्दे पर जमकर नारेबाजी की जिससे दोनों सदनों की कार्यवाही बाधित हुई।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष चर्चा की मांग कर रहे हैं और हम इसके लिए तैयार हैं। फिर वे सदन क्यों नहीं चलने दे रहे? यह दोहरा मापदंड गलत है। अगर आप चर्चा चाहते हैं, तो हंगामा न करें। सरकार ने कहा है कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। आप जनता का पैसा बर्बाद कर रहे हैं।

सीमा शुल्क अधिकारियों और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बाजार में अवैध तंबाकू की बिक्री की रोकथाम के लिए चालू वित्त वर्ष में जून तक लगभग 3.93 करोड़ सिगरेट जब्त की है। सरकार ने मंगलवार को संसद को यह जानकारी दी। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया।

राज्यसभा में मंगलवार को उपराष्ट्रपति एवं सभापति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की आसन की ओर से घोषणा की गयी, जिन्होंने सोमवार रात अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेजा था। उच्च सदन की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर बारह बजे जब शुरू हुई तो पीठासीन अध्यक्ष घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि उन्हें एक आवश्यक सूचना सदन को देनी है। तिवाड़ी ने कहा कि गृह मंत्रालय ने संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) के तहत उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे की 22 जुलाई 2025 को एक अधिसूचना जारी की है। उपराष्ट्रपति पद से धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद मंगलवार को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने सदन की सुबह की कार्यवाही की अध्यक्षता की। आमतौर पर धनखड़ दिन की शुरूआत में राज्यसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता करते थे।

'धनखड़ 15 महीने रहने के बाद उपराष्ट्रपति एन्क्लेव छोड़ेंगे'

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद से एक दिन पहले इस्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ सरकारी बंगले के हकदार हैं। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। धनखड़ (74) पिछले साल अप्रैल में संसद भवन परिसर के पास चर्च रोड पर नवनिर्मित उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में स्थानांतरित हो गए थे। उपराष्ट्रपति के आवास और कार्यालय वाले एन्क्लेव का निर्माण सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना के तहत किया गया था। धनखड़ को लगभग 15 महीने उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रहने के बाद उसे छोड़ना होगा।

अधिकारी ने कहा, उन्हें (धनखड़) लुटियंस दिल्ली या किसी अन्य इलाके में टाइप आठ का बंगला देने की पेशकश की जाएगी। टाइप आठ का बंगला आमतौर पर वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों या राष्ट्रीय दलों के अध्यक्षों को आवंटित किया जाता है। धनखड़ ने सोमवार को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। वहीं, कांग्रेस ने कहा है कि धनखड़ के इस्तीफा देने के पीछे उनके द्वारा बताए गए स्वास्थ्य कारणों के अलावा कोई और अधिक गहरे कारण हैं।

धनखड़ के सोमवार रात अचानक उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने से ऐसी अटकलों का बाजार गर्म हो गया है कि क्या यह स्वास्थ्य कारणों से दिया गया है या इसके पीछे कुछ और वजह है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने सीईटी परीक्षा की तैयारियों को लेकर विभिन्न विभागों की व्यवस्थाओं की करी गहन समीक्षा

सभी संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की जानकारी समय रहते गृह विभाग को भेजे जिला प्रशासन-सीएम

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी जिला उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि 26 और 27 जुलाई को आयोजित होने वाली सीईटी परीक्षा के मद्देनजर सभी संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की जानकारी समय रहते गृह विभाग को प्रेषित करें ताकि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित क्षेत्रों में इंटरनेट सेवा निलंबित करने की प्रक्रिया पूरी की जा सके और परीक्षा को पूर्णतः शांतिपूर्ण और निष्पक्ष संपन्न करवाया जा सके। मुख्यमंत्री यहां सीईटी परीक्षा की तैयारियों को लेकर बुलाई गई बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा पहली बार इतने बड़े स्तर पर सीईटी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में सभी उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक परीक्षा से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियों को समय पर पूर्ण करें ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि सभी जिलों में प्रश्न पत्र भंडारण स्थल से परीक्षा केंद्र तक उसकी पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी सुनिश्चित की जाए, जिससे परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुरक्षा बनी रहे। मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि परीक्षा केंद्रों के आसपास कोई भी असामाजिक तत्व सक्रिय न रहे। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया पर भी सतर्क निगरानी रखी जाए ताकि यदि कोई व्यक्ति परीक्षा से संबंधित किसी प्रकार की अफवाह फैलाने का प्रयास करे तो उसे समय रहते रोका जा सके और भ्रामक सूचनाएं प्रसारित न हों। उन्होंने कहा कि सीईटी परीक्षा के दौरान जहां बसों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जानी है, वहीं आगामी तीज पर्व को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग यह भी सुनिश्चित करे कि आमजन की आवाजाही के लिए भी पर्याप्त बसों की व्यवस्था रहे, जिससे प्रदेशवासियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे 26 और 27 जुलाई को आयोजित सीईटी परीक्षा के दोनों दिनों में अपनी सुविधा को ध्यान में रखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचें ताकि परीक्षार्थियों को निर्बाध यातायात व्यवस्था मिल सके।

उन्होंने कहा कि जिन जिलों से बसों को 100 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचना है, वहां जिला प्रशासन विशेष प्रबंध सुनिश्चित करे। परिवहन विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बसों को रिजर्व रखा जाए।

रविन्द्र इंद्राज सिंह ने बवाना की जे.जे. कॉलोनी में किया कांवड़ियों का स्वागत

शिव भक्तों को परोसा भोजन, व्यवस्थाओं की सराहना की

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री एवं बवाना क्षेत्र के विधायक रविन्द्र इंद्राज सिंह ने बवाना की जे.जे. कॉलोनी स्थित कांवड़ शिविर में पहुँचकर शिव भक्त कांवड़ियों का स्वागत एवं सेवा-सत्कार किया।

श्री इंद्राज ने शिव भक्तों से उनकी यात्रा की जानकारी ली और अपने हाथों से उन्हें भोजन परोसा। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की सेवा करना सौभाग्य की बात है और इस कार्य में पूरी दिल्ली श्रद्धा और समर्पण से जुटी हुई है। भक्तों ने कैबिनेट मंत्री को बताया कि इस बार दिल्ली में कांवड़ यात्रा के दौरान अत्यंत उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे उन्हें विशेष सुविधा और सम्मान का अनुभव हो रहा है।

इस अवसर पर रविन्द्र इंद्राज ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली में कांवड़ सेवा को एक महापर्व के रूप में मनाने की तैयारी पहले से ही शुरू हो गई थी। उन्होंने आगे कहा कि जहां-जहां वे स्वयं कांवड़ शिविरों में गए, वहां भक्तों के स्वागत हेतु विशेष प्रबंध और भव्यता देखने को मिली। इस बार कांवड़ शिविरों की सजावट और सेवा भाव देखकर स्पष्ट है कि कांवड़ समितियों के मन में शिव भक्तों के प्रति कितनी गहरी श्रद्धा और आस्था है।

इस मौके पर क्षेत्रीय जनता और कांवड़ सेवा समितियों ने सरकार द्वारा पहली बार किये गये विशेष व अभूतपूर्व सेवा कार्य के लिए आभार प्रकट किया।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या, 14 अगस्त को दिल्ली से 'स्वर्णिम भारत यात्रा' के लिए पर्यटक ट्रेन रवाना होगी

पर्यटक इस पर्यटक ट्रेन से दिल्ली सफदरजंग, गुड़गांव, रेवाड़ी, रींगस, फुलेरा, अजमेर रेलवे स्टेशन भी जा सकते हैं

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी की नवीनतम पेशकश 'स्वर्णिम भारत यात्रा' भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन द्वारा भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थलों का प्रचार-प्रसार करेगी। यह यात्रा 14 अगस्त, 2025 को दिल्ली सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी। प्रस्तावित ट्रेन यात्रा आधुनिक सुविधाओं से युक्त भारत गौरव डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन में संचालित की जाएगी।

इस ट्रेन यात्रा का पहला गंतव्य अहमदाबाद है, जो महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ शहर है। यहाँ पर्यटक साबरमती आश्रम जाएँगे, जो राष्ट्रवादी गतिविधियों और दांडी मार्च का केंद्र रहा है। 15वीं शताब्दी की भारतीय बावड़ी वास्तुकला का एक अद्भुत उदाहरण, अडालज और नव विकसित साबरमती रिवरफ्रंट पर शाम की सैर, कुछ ऐसी जगहें हैं जिन्हें यहाँ शामिल किया जाएगा।

इसके बाद मोढेरा और पाटन की एक दिवसीय यात्रा होगी। जहाँ पहला सूर्य मंदिर कोणार्क से भी पुराना है, वहीं दूसरे में पर्यटक रानी की वाव या रानी की बावड़ी का आनंद ले सकते हैं, जो यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल है।

इस यात्रा का अगला गंतव्य गुजरात में नर्मदा नदी के किनारे स्थित केवड़िया है, जो सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के स्थान के लिए जाना जाता है। प्रतिमा और हर शाम

आयोजित होने वाले लाइट एंड साउंड शो के अलावा, पर्यटक सरदार सरोवर बांध भी देख सकते हैं।

अगला गंतव्य पुणे भी भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक अभिन्न अंग रहा है। शहर में स्थित आगा खान पैलेस एक वास्तुशिल्प चमत्कार के साथ-साथ स्वतंत्रता आंदोलन का एक प्रमाण भी है, जहाँ महात्मा गांधी, कस्तूरबा गांधी और सरोजिनी नायडू को 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बंदी बनाकर रखा गया था। यहाँ शामिल किए जाने वाले अन्य आकर्षण हैं कस्बा गणपति (पुणे में सबसे पूजनीय देवता), आकर्षक महल लाल महल (शिवाजी महाराज का बचपन का घर) और शनिवार वाड़ा, जो 18वीं शताब्दी का एक प्राचीन किला है। पुणे शहर से 124 किलोमीटर की दूरी पर स्थित भीमाशंकर मंदिर (ज्योतिर्लिंग) भी इस यात्रा कार्यक्रम में शामिल है।

यात्रा पूरी होने पर यात्रियों को अगले गंतव्य, औरंगाबाद या छत्रपति संभाजीनगर ले जाया जाएगा, जहाँ वे यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों, अजंता और एलोरा की गुफाओं और एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारक बीबी का मकबरा देखने जाएँगे। भगवान शिव को समर्पित घृष्णेश्वर मंदिर, जो बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है, भी यात्रा कार्यक्रम में शामिल है।

झाँसी और ओरछा, नौवें दिन के दर्शनीय स्थलों की यात्रा का हिस्सा होंगे, जहाँ पर्यटक इसी नाम के किले और उससे सटे सरकारी संग्रहालय के साथ-साथ ओरछा के प्रमुख आकर्षणों - राम राजा मंदिर, ओरछा किला और चतुर्भुज मंदिर-को देखेंगे। यहीं से ट्रेन दिल्ली के लिए अपनी वापसी यात्रा शुरू करेगी।

इस अत्याधुनिक डीलक्स एसी पर्यटक ट्रेन में दो रेस्टोरेंट, एक आधुनिक रसोईघर, डिब्बों में शॉवर कक्ष, सेंसर-आधारित शौचालय और फुट मसाजर जैसी कई अद्भुत सुविधाएँ हैं। पूरी तरह से वातानुकूलित यह ट्रेन तीन प्रकार की सुविधाएँ प्रदान करती हैः प्रथम श्रेणी एसी, द्वितीय श्रेणी एसी और तृतीय श्रेणी एसी। ट्रेन में प्रत्येक कोच में सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्ड जैसी उन्नत सुरक्षा सुविधाएँ हैं।

आईआरसीटीसी ने इस विशेष पर्यटक ट्रेन के प्रथम श्रेणी एसी कूपे के लिए प्रति व्यक्ति 1,01,430 रुपये, प्रथम श्रेणी एसी केबिन के लिए 94,845/- रुपये, द्वितीय श्रेणी एसी के लिए 81,675/- रुपये और तृतीय श्रेणी एसी के लिए 71,585/- रुपये की दर से शुरू किया है। । पैकेज की कीमत में एसी श्रेणी में ट्रेन यात्रा, 3 सितारा होटलों में आवास, सभी भोजन (केवल शाकाहारी), एसी वाहनों में सभी जगहों तक जाना-आना और दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा बीमा और आईआरसीटीसी टूर मैनेजरों की सेवाएँ आदि शामिल हैं।

फरीदाबाद में 14 अगस्त को मनाया जाएगा स्तरीय विभाजन विभीषिका स्मृति दिवसः सीएम नायब सिंह सैनी

देश के विभाजन में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति में मनाया जाएगा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश के विभाजन में अपनी जान गवांने वाले जाने अनजाने लोगों की स्मृति में राज्य स्तरीय विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस इस वर्ष 14 अगस्त को फरीदाबाद में मनाया जाएगा। उन्होंने ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा,जिसमें प्रदेशभर से समाज के सभी वर्गों के लोग भारी संख्या में भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के आयोजन को लेकर आज यहां आयोजित एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम से पूर्व, एक पखवाड़े तक प्रदेशभर में विभिन्न स्थानों पर विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस का आयोजन हरियाणा सरकार और पंचनद ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में किया जाएगा, जिसमें विभाजन की विभीषिका में जान गंवाने वाले पूर्वजों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी जाएगी। उन्होंने आह्वान किया कि इस समारोह में लोग अपने बेटे और बेटियों को अवश्य लेकर आए ताकि वे अपने पूर्वजों के बलिदानों के बारे में जानकारी हासिल करें और उनसे प्रेरणा ले सकें। उन्होंने पंचनद ट्रस्ट से भी आह्वान करते हुए कहा कि ट्रस्ट विभाजन की इस त्रासदी के गवाह रहे बुजुर्गों के संस्मरण को रिकॉर्ड कर उन्हें इतिहास के रूप में संजोए, ताकि हमारी युवा पीढ़ी जान सके कि विभाजन के समय किस प्रकार हमारे बुजुर्गों ने इस भंयकर त्रासदी को झेला जिसे सुनकर आज भी रूह कांप जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत के विभाजन को 20वीं शताब्दी की सबसे बड़ी त्रासदी मानते हुए 15 अगस्त, 2021 को स्वतंत्रता दिवस पर आजादी के अमृत महोत्सव का शुभारंभ करते हुए इस विभाजन में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाने की घोषणा की थी। तब से हर वर्ष 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि 1947 में भारत की आजादी की प्रक्रिया चल रही थी तो उस दिन देश का विभाजन भी किया गया था। इस तरह हमें आजादी की भारी कीमत चुकानी पड़ी। हमारा देश तो बंट ही गया, दोनों तरफ के करोड़ों लोग उजड़ गए और लाखों दंगों में मारे भी गए। माताओं-बहनों पर भारी अत्याचार किए गए। आज भी उस मंजर को याद करके मानवता की रूह कांप जाती है। उन्होंने कहा कि उस रक्तपात में न जाने कितने बेकसूर लोग मारे गए। हमें उस त्रासदी के बारे में सोचकर इतनी पीड़ा हो रही है, तो सोचिए जिन लोगों ने उस त्रासदी को झेला है, उन पर क्या बीती होगी।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यह स्मृति दिवस हमें बंटवारे के कारण जान गंवाने वाले अपने पूर्वजों की याद तो दिलाता है।

सम्पादकीय

कांवड़ यात्रा...

पवित्र श्रावण मास चल रहा है, इस मास में देश के विभिन्न हिस्सों में शिवभक्त देवाधिदेव भगवान महादेव के ऊपर पवित्र नदियों का जल चढ़ाने के लिए सदियों से कांवड़ लेकर आते हैं। हालांकि कुछ लोगों के मन में यह प्रश्न उठता रहता है कि आखिर यह कांवड़ यात्रा क्या है, उन्होंने बेहद सरल शब्दों में यह समझना चाहिए कि कांवड़ यात्रा सनातन धर्मियों की केवल आस्था का ही नहीं बल्कि हमारे प्यारे देश भारत की समृद्धशाली धर्म-सांस्कृतिक, प्राचीन परंपरा और विरासत का एक अद्भुत प्रतीक है। वैसे भी सनातन धर्म-संस्कृति में पवित्र श्रावण मास की शिवरात्रि को देवाधिदेव भगवान महादेव की आराधना के लिए सबसे श्रेष्ठ दिन माना जाता है। इसलिए शिव भक्तों के द्वारा श्रावण मास की शिवरात्रि को भगवान शिव की पूजा-अर्चना करके कांवड़ से लाये पवित्र जल के माध्यम से जलाभिषेक करके इसको एक भव्य महापर्व के रूप में मनाया जाता है। हालांकि पूरे श्रावण मास में ही भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए शिव भक्त दूर-दूर से पवित्र नदियों खासतौर पर गंगा के जल को सनातन धर्म की बेहद प्राचीन धर्म-संस्कृति व परंपराओं के अनुसार लाकर भगवान शिव के शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं। देश-दुनिया में पवित्र नदियों के जल को शिव भक्तों के कंधे पर बांस की बनी कांवड़ के दोनों सिरों पर लटके हुए कलश में लेकर के आने की इस अद्भुत यात्रा को ही कांवड़ यात्रा कहते हैं। सदियों के बाद आज के दौर में शिव भक्त हर वर्ष तरह-तरह की कांवड़ लेकर आते हैं, जो लोगों को आकर्षित करने का कार्य करती हैं। कांवड़ यात्रा भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना का एक धार्मिक अनुष्ठान मात्र ही नहीं है, बल्कि यह यात्रा प्राचीन धर्म-संस्कृति, परंपराओं व सामाजिक समरसता का एक विशाल अद्भुत संगम है। भगवान शिव के आशिर्वाद से हर वर्ष ही कांवड़ यात्रा से जहां एक तरफ तो लाखों लोगों को रोजगार मिलने से उनका परिवार पलता है, वहीं दूसरी तरफ यह भगवान शिव की पूजा-अर्चना करके उन्हें खुश करने का एक बड़ा अवसर भक्तों को मिलता है। कांवड़ यात्रा लोगों को एक जुट रहकर के जल की एक-एक बूंद की अहमियत को बताते हुए प्रकृति की पूजा के बारे में बताती है, वहीं सनातन धर्मियों को बड़े पैमाने पर इकट्ठा करके जातियों के जहरीले बंधनों को तोड़कर के सनातनियों को एक सूत्र में पिरोने का एक बहुत बड़ा संदेश भी देती है। कांवड़ यात्रा एक कठिन तपस्या भी है, जिसमें भक्त पवित्र नदियों से जल लेकर के भगवान शिव को चढ़ाते हैं। पवित्र नदियों का जल लेकर के भगवान शिव पर जल चढ़ाने की प्रथा सदियों से चली आ रही है। यहां तक की हमारे पुराणों और ग्रंथों में भी कांवड़ यात्रा से संबंधित तथ्य मिलते हैं। शिव भक्त कांवड़िए कांवड़ अलग-अलग तरह की कांवड़ लेकर आते हैं। बहुत सारे भक्त सामान्य कांवड़ लेकर पैदल चलते हैं जिसमें आवश्यकताओं अनुसार भक्त विश्राम करते हुए भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए गंगा जल लाते हैं। वहीं डाक कांवड़ में शिवभक्त गंगा जल लेकर लगातार दौड़ लगाने की कठिन तपस्या करते हुए, शिव-शंभु का जलाभिषेक करते हैं, यह कांवड़ आजकल बहुत ज्यादा प्रचलन में है। वहीं खड़ी कांवड़ में कांवड़ को जमीन पर नहीं रखा जाता है, विश्राम करते समय भी दूसरा साथी कांवड़ कंधों पर रखता है। वहीं कुछ शिव भक्त बैठी कांवड़ लेकर आते जिसमें वह कांवड़ पास रखकर के बैठकर आराम कर सकते हैं। वहीं कुछ भक्त दंडी कांवड़ लेकर आते हैं जो सबसे कठिन होती है, इसमें कांवड़िया दंडवत प्रणाम करते हुए निशान लगाते हुए धीरे-धीरे आगे बढ़ते हैं, यह सबसे कठिन प्रकार की कांवड़ यात्रा होती है। सदियों पहले कांवड़ यात्रा की शुरूआत कैसे हुई, इसके संदर्भ में कई पौराणिक मान्यताएं हैं, माना जाता है कि समुद्र मंथन में निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने जब पीकर अपने कंठ में इकट्ठा कर लिया था, तो देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक करना शुरू कर दिया था। वहीं कुछ पौराणिक कथाओं के मतानुसार रावण को ही पहला कांवड़िया माना जाता है। कहा जाता है कि भगवान शिव समुद्र मंथन से निकले हलाहल विष को पीकर जब ताप से बेहद व्याकुल हो गए थे, तब उन्होंने अपने अनन्य भक्त लंका नरेश रावण को पुकारा था, शिव भक्त रावण ने तत्काल उपस्थित होकर भगवान शिव के हालात देखकर के उनका जलाभिषेक करना शुरू कर दिया था। जिससे भगवान शिव को शांति मिली थी। यह भी कहा जाता है कि भगवान परशुराम ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगा से जल लाकर के जब पुरा महादेव मंदिर बागपत में भगवान शिव का जलाभिषेक किया था, तब से ही कांवड़ यात्रा की शुरूआत हुई है। वहीं रामायण में उल्लेख मिलता है कि त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने अपने नेत्रहीन माता-पिता को बांस की डंडे के दोनों ओर बंधी टोकरियों में बैठाकर गंगा स्नान व तीर्थाटन करवाने की यात्रा शुरू की थी, तब से ही कांवड़ यात्रा की शुरूआत हुई। हालांकि आज भी कांवड़ यात्रा में चंद विधर्मी हुड़दंगियों को छोड़ दिया जाए तो यह एक बहुत ही कठिन जप-तप वाली तपस्या है, जोकि शिव भक्त कांवड़ियों के अपने आराध्य भगवान शिव पर अटूट विश्वास के दम पर ही पूर्ण होती है। शिव भक्तों की कांवड़ भगवान शिव के प्रति आस्था अटूट समर्पण और भक्ति का प्रतीक है। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ को कंधे पर रखकर के पैदल चलते हुए शिव भक्त तरह-तरह के शारीरिक कष्ट सहते हैं, फिर भी शिव भक्तों की भगवान शिव के प्रति आस्था जरा सी भी कम नहीं होती है।

जयंती

बाल गंगाधर तिलक

जन्म-23 जुलाई, 1856, रत्नागिरी, महाराष्ट्र; मृत्यु-1 अगस्त, 1920, मुंबई) विद्वान, गणितज्ञ, दार्शनिक और उग्र राष्ट्रवादी व्यक्ति थे, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता की नींव रखने में सहायता की। उन्होंने 'इंडियन होमरूल लीग' की स्थापना सन 1914 ई. में की और इसके अध्यक्ष रहे तथा सन 1916 में मुहम्मद अली जिन्ना के साथ लखनऊ समझौता किया, जिसमें आजादी के लिए संघर्ष में हिन्दू-मुस्लिम एकता का प्रावधान था।

पुण्यतिथि

लक्ष्मी सहगल

जन्म: 24 अक्टूबर, 1914, मद्रास (अब चेन्नई); मृत्यु: 23 जुलाई, 2012 कानपुर) महान स्वतंत्रता सेनानी और आजाद हिन्द फौज की अधिकारी थीं। वे आजाद हिन्द सरकार में महिला मामलों की मंत्री रहीं। सुभाष चंद्र बोस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सेना में रहते हुए लक्ष्मी सहगल ने कई सराहनीय काम किये। उनको बेहद मुश्किल जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनके कंधों पर जिम्मेदारी थी फौज में महिलाओं को भर्ती होने के लिए प्रेरणा देना और उन्हें फौज में भर्ती कराना। लक्ष्मी सहगल ने इस जिम्मेदारी को बखूबी अंजाम तक पहुंचाया। जिस जमाने में औरतों का घर से निकालना भी जुर्म समझा जाता था, उस समय उन्होंने 500 महिलाओं की एक फौज तैयार की, जो एशिया मे अपने तरह की पहली विंग थी।

कल मिलेंगे

टीचर: बच्चों, बताओ दुनिया का सबसे बड़ा देश कौन सा है?
एक बच्चा: चीन!
टीचर: शाबाश! अब बताओ, दुनिया का सबसे छोटा देश कौन सा है?
वही बच्चा: मेरा घर!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

बड़ी जीत है द रेजिस्टेंट फ्रंट का आतंकी संगठन घोषित होना

अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है

-ललित गर्ग

पहलगाम में जब आतंकी हमले में निर्दोषों का रक्त बहा, आहें एवं चीखें गूंजी, जिसने न केवल देश एवं दुनिया को झकझोर दिया था, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि आतंकवाद की जड़ें अब भी जीवित हैं और उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और सीमा-पार समर्थन प्राप्त है। लेकिन इस बार एक बड़ा परिवर्तनकारी एवं प्रासंगिक कदम अमेरिका की ओर से सामने आया है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया, इस तरह टीआरएफ की पहचान और आतंक के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का नया अध्याय लिखा गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि आतंक के विरुद्ध वैश्विक मंच पर एक रणनीतिक संदेश है कि अब छद्म युद्ध और पनपते आतंक के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही का युग आ गया है। अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास इस बात के द्योतक है कि आतंकवाद से निपटने के मोर्चे पर भारत सफल हो रहा है। अमेरिका के इस फैसले ने न सिर्फ टीआरएफ के आतंकी चेहरे से बेपर्दा किया है, बल्कि पाकिस्तान की उन नापाक हरकतों को भी बेनकाब कर दिया, जिन्हें वह खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर छिपाता आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आतंकवाद-रोधी सहयोग का प्रमाण बताया है और आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है।

टीआरएफ दिखने में एक स्थानीय कश्मीरी संगठन होने का भ्रम देता है, लेकिन असल में यह लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है। पाकिस्तान-समर्थित आतंकी संगठनों को नया नाम एवं नये रूप में प्रस्तुत करना पाक की एक साजिश एवं सोची-समझी रणनीति है, ताकि दुनिया के सामने वह अपने दामन को पाक-साफ दिखा सके। एक और विडम्बनापूर्ण स्थिति यह है कि पाक ने इसे इस तरह पेश किया जैसे यह कश्मीर का स्थानीय संगठन हो। यह जगजाहिर है कि कई बड़े आतंकी संगठन पाकिस्तान की धरती से संचालित किए जा रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिद्दीन प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई बार ये सवाल उठे और पाक को आतंक पोषित स्वीकार्य किया जाने लगा। उसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने रणनीति बदली और आतंकी संगठनों के नाम भी बदलने शुरू कर दिए। टीआरएफ इसका एक उदाहरण है। इसका गठन 2019 के अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद हुआ और इसका उद्देश्य भारत में आतंकी घटनाओं को स्वदेशी विद्रोह की आड़ में अंजाम देना है। पहलगाम हमला भारत के उस प्रयास को चुनौती देता है जो वह पर्यटन और विकास के माध्यम से कश्मीर को मुख्यधारा में लाने के लिए कर रहा है। जब भी कश्मीर में शांति की बहार आती है, ऐसे आतंकी संगठन हिंसा का तूफान लेकर आते हैं। टीआरएफ ने सोशल मीडिया, इंटरनेट और कूटनीतिक शब्दजाल का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को कश्मीरी प्रतिरोध आंदोलन के रूप में पेश करने की कोशिश की, जबकि उसके तार रावलपिंडी और आईएसआई के आतंकवाद समर्थन तंत्र से सीधे जुड़े हैं। मगर, अमेरिका की ओर से इसे वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना इस बात का सबूत है कि आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के इरादों को किसी छद्म नाम की आड़ में छिपाया नहीं जा सकता।

अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध वर्षों से चेतावनी देते हुए दुनिया को आतंकमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज किये हैं। ऐसे में अमेरिका पर भी यह साबित करने का दबाव बना है कि वह आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड न अपनाये। क्योंकि अमेरिका का दोगलापन चर्चा में रहा है, एक तरफ अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का दावा करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और विश्व बैंक से बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी जाती है। एक तरफ राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया भी हैरान करने वाला है। सवाल यह है कि जब अमेरिका यह मानता है कि पाकिस्तान आतंकियों को पाल-पोस रहा है, तो वह वैश्विक संस्थाओं से उसे वित्तीय मदद रोकने की वकालत क्यों नहीं करता है?

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को करारी मात देने के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में वातावरण बनाने के लिये तत्पर हुआ। आतंक के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती देने के लिये ही भारत ने अमरीका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे।

इन देशों को पुख्ता सबूतों के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। संभवतः भारत के यही प्रयास इस संगठन के खिलाफ अमरीका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमरीका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। निश्चित ही अमेरिका की यह ताजा कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन भारत को अब केवल प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कमर कसते हुए प्रक्रिया दिखानी चाहिए। उसे सीमा पार सर्जिकल/ड्रोन स्ट्राइक की नीति को और मजबूत करना चाहिए। आतंकी समर्थकों की फंडिंग रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों की मांग करनी चाहिए। घरेलू स्तर पर खुफिया तंत्र और साइबर निगरानी को और सक्रिय एवं आधुनिक बनाना चाहिए। वैश्विक मंचों पर एफएटीएफ, यूएन और जी 20 जैसे संगठनों में पाकिस्तान की आतंक-समर्थक भूमिका को बार-बार उजागर करना चाहिए।

आज आवश्यकता है कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक और शांति-प्रिय राष्ट्र एक मंच पर एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलरेंस पॉलिसी अपनाएं। किसी भी राष्ट्र को- चाहे वह प्रत्यक्ष हो या परोक्ष, आतंकियों की शरणस्थली बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। टीआरएफ को आतंकवादी घोषित करना पहला कदम है, अब इसकी जड़ों को नष्ट करना ही अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंक के नापाक गठजोड़ पर जब तक सभी देश एकमत नहीं होंगे, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचेगी। सवाल यह भी है कि जब पाकिस्तान आतंकी संगठनों का खुलेआम समर्थन करता रहता है तो उसे फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में डालने से परहेज क्यों किया जा रहा है? विशेषज्ञों का कहना है कि अमरीका के ताजा कदम के बाद एफएटीएफ और दूसरी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां टीआरएफ की फंडिंग की जांच करेंगी।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

मच 8 की रफ्तार, 1500 किमी तक मार, भारत की सबसे घातक हाइपरसोनिक मिसाइल तैयार

भारत अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया के साथ QUAD में है और चीन से प्रतिस्पर्धा में। हाइपरसोनिक तकनीक भारत को इस क्षेत्र में रणनीतिक ताकत का स्तंभ बनाती है, जिससे भारत का कूटनीतिक प्रभाव भी बढ़ेगा। हम आपको यह भी बता दें कि चीन के बढ़ते सैन्य उन्नयन और आक्रामक तेवर तथा रूस-अमेरिका के बीच हथियारों की होड़ से सीख लेते हुए नई राष्ट्रीय रक्षा नीति में 'प्री-एम्प्टिव टेक्नोलॉजी' की वकालत करते हुए रक्षा निर्यात को 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है

-नीरज कुमार दुबे

भारत ने हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण कर अमेरिका, रूस और चीन जैसी वैश्विक शक्तियों वाले हाइपरसोनिक क्लब में प्रवेश हासिल कर लिया है। हम आपको बता दें कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के माध्यम से मिसाइल तकनीक के क्षेत्र में भारत ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। DRDO ने एक्सटेंडेड ट्राजेक्टरी लॉन्ग ड्यूरेशन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल नामक देश की सबसे उन्नत मिसाइल प्रणाली विकसित की है। यह न केवल भारत की वर्तमान मिसाइल प्रणाली जैसे ब्रह्मोस, अग्नि-5 और आकाश को पीछे छोड़ती है, बल्कि आधुनिक युद्ध की परिभाषा ही बदल सकती है।

हम आपको बता दें कि ET-LDHCM को DRDO के गोपनीय प्रोजेक्ट विष्णु के तहत विकसित किया गया है। यह मिसाइल टूँ 8 (आवाज की गति से आठ गुना अधिक) की रफ्तार से उड़ सकती है और 1,500 किलोमीटर तक सटीक वार करने में सक्षम है। यह ब्रह्मोस के मुकाबले तीन गुना अधिक दूरी और तीन गुना अधिक रफ्तार वाली प्रणाली है। इसकी मुख्य विशेषताओं की बात करें तो आपको बता दें कि पारंपरिक इंजनों के विपरीत यह इंजन वायुमंडलीय ऑक्सीजन का उपयोग करता है, जिससे यह लंबी दूरी तक लगातार हाइपरसोनिक गति बनाए रख सकता है। यह 1,000 से 2,000 किलोग्राम तक के पारंपरिक या परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। साथ ही यह रडार से बचने और दुश्मन की रक्षा प्रणाली को भेदने में सहायक है। इसे भूमि, समुद्र और वायु तीनों स्थानों से दागा जा सकता है। इसके टारगेट्स की बात करें तो आपको बता दें कि दुश्मन के कमांड सेंटर, रडार सिस्टम, नौसेना के बेड़े और भूमिगत बंकर को यह आसानी से निशाना बना सकता है। हम आपको बता दें कि eurasiantimes.com की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ET-LDHCM नामक जो मिसाइल बना रहा है उसकी सबसे खास बात उसका इंजन है जिसे स्क्रैमजेट कहते हैं। यह मिसाइल करीब 8 मैक यानी लगभग 11,000 किलोमीटर की रफ्तार से दुश्मन पर कहर बनकर टूटती है। क्या होता है हाइपरसोनिक हथियार यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियार वे होते हैं जो Mach 5 (आवाज की गति से पांच गुना अधिक) से तेज गति से उड़ सकते हैं। ये पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइलों से अलग होते हैं क्योंकि ये अपनी उड़ान के दौरान दिशा बदल सकते हैं, जिससे इन्हें पकड़ना और रोकना अत्यंत कठिन होता है। इसके मुख्य रूप से दो प्रकार होते हैं-हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल, ET-LDHCM इसी श्रेणी में आता है।

हम आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियारों को आधुनिक युद्ध का गेम चेंजर कहा जाता है। अमेरिका, रूस और चीन इस तकनीक में अग्रणी हैं। रूस ने 2022 में यूक्रेन युद्ध में किंझाल मिसाइल का उपयोग कर इस क्षमता का प्रदर्शन किया था। अमेरिका लॉकहीड मार्टिन के जरिए इस दिशा में कार्य कर रहा है। फ्रांस, जर्मनी, जापान, इजराइल और ऑस्ट्रेलिया भी इस दौड़ में शामिल हैं। यह बात भी काबिलेगौर है कि भारत का यह परीक्षण ऐसे समय हुआ है जब दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव अपने चरम पर है।

हम आपको बता दें कि हाइपरसोनिक हथियारों के विकास में सबसे बड़ी चुनौती अत्यधिक गति के कारण उत्पन्न 2000 डिग्री सेल्सियस तक की गर्मी को सहने की होती है। इसके लिए DRDO ने हीट रेसिस्टेंट मटेरियल और कार्बन कॉम्पोजिट्स का प्रयोग किया है। दूसरी चुनौती रियल टाइम नेविगेशन और संचार की है, जिसे भारत ने स्वदेशी तकनीक से हल किया है।

Project Vishnu की जहां तक बात है तो आपको बता दें कि इसके तहत DRDO 12 अलग-अलग हाइपरसोनिक सिस्टम विकसित कर रहा है, जिनमें आक्रमणकारी मिसाइल और इंटरसेप्टर दोनों शामिल हैं। नवंबर 2024 में इस प्रोजेक्ट के तहत स्क्रैमजेट इंजन का पहला सफल परीक्षण हुआ था। ET-LDHCM इस प्रोजेक्ट की पहली बड़ी सफलता है। महत्वपूर्ण बात यह कि इस मिसाइल का पूरा निर्माण भारत में हुआ है और वह भी टरटए और निजी रक्षा कंपनियों के सहयोग से। इससे न केवल आत्मनिर्भर भारत अभियान को बल मिलेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार और नवाचार को भी बढ़ावा मिलेगा।

रक्षा विशेषज्ञों का आकलन है कि ET-LDHCM दक्षिण एशिया में सामरिक संतुलन बदलने में सक्षम है। यह चीन के इंडो-पैसिफिक प्रभुत्व और पाकिस्तान के विरुद्ध भारत की क्षमता को और मजबूत करेगा। यह मिसाइल रूस के S-500 या इजराइल के Iron Dome जैसी अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियों को भी चुनौती दे सकती है। देखा जाये तो इस सफल परीक्षण ने भारत को अमेरिका, रूस और चीन जैसे हाइपरसोनिक मिसाइल क्षमता वाले देशों की कतार में खड़ा कर दिया है। यह केवल एक मिसाइल नहीं बल्कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रभाव का प्रतीक है। भविष्य में इस तकनीक के आधार पर भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भी बड़ी शक्ति बन सकता है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत के मिसाइल कार्यक्रम की शुरूआत का जब भी जिक्र होता है, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का नाम सबसे पहले स्मृति में आ जाता है। मिसाइल मैन ऑफ इंडिया के रूप में प्रसिद्ध डॉ. कलाम ने भारत को मिसाइल तकनीक में आत्मनिर्भर बनाने का सपना देखा था, जिसमें बैलिस्टिक, क्रूज और भविष्य में हाइपरसोनिक तकनीक भी शामिल थी। आज जब भारत ने हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली में बड़ी उपलब्धि हासिल की है, तो यह केवल एक सैन्य सफलता नहीं, बल्कि अब्दुल कलाम के उसी सपने का विस्तार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस क्षेत्र को राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक सामरिक संतुलन के लिहाज से सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

हम आपको बता दें कि डॉ. कलाम का सपना था कि भारत अपने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने और तकनीक आधारित प्रतिरोधक क्षमता हमारे देश की नीति का अभिन्न हिस्सा हो। उन्होंने अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों के जरिए भारत को सामरिक क्षमता दी, लेकिन उनके विजन में अगला कदम था-हाइपरसोनिक स्पीड, सटीकता और आधुनिक युद्धक्षमता वाली मिसाइलें। कलाम मानते थे कि अगली सदी के युद्ध सिर्फ हथियारों की संख्या से नहीं, रफ्तार, तकनीक और चुपकेपन से तय होंगे। इसलिए उन्होंने स्क्रैमजेट इंजन, हाइपरसोनिक फ्लाइट और उन्नत रडार-प्रूफ सिस्टम के अनुसंधान पर बल दिया था। वह कहते थे कि- "Speed is power in future warfare, and India must never lag behind." हम आपको बता दें कि DRDO में रहते हुए डॉ. कलाम ने इस दिशा में हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी डेमोंस्ट्रेटर व्हीकल जैसे शुरूआती प्रयासों की नींव रखी थी।

प्रधानमंत्री मोदी की प्राथमिकता में क्यों है हाइपरसोनिक मिसाइल? यदि इसकी बात करें तो आपको बता दें कि आज भारत की सीमाएं सिर्फ पारंपरिक युद्ध के खतरे से नहीं, बल्कि चीन की आक्रामक नीति, पाकिस्तान के परमाणु ब्लैकमेल और इंडो-पैसिफिक में अमेरिका-चीन संघर्ष के बीच सामरिक दबाव में हैं। हाइपरसोनिक मिसाइलें भारत को 'सिक्योर स्ट्राइक' और 'रैपिड रिटैलिएशन' की क्षमता देती हैं-चाहे पाकिस्तान हो या दक्षिण चीन सागर। इसके अलावा, भारत की न्यूनतम प्रतिरोधक नीति के तहत हाइपरसोनिक मिसाइलें उसकी सेकंड स्ट्राइक क्षमता को अजेय बनाती हैं। चीन के DF-17, रूस के Avangard और अमेरिका के LRHW के मुकाबले भारत का ET-LDHCM या HSTDV उसकी सामरिक विश्वसनीयता को बढ़ाते हैं। साथ ही मोदी सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि भारत रक्षा तकनीक में केवल उपभोक्ता न रहे, बल्कि वैश्विक रक्षा निर्यातक और इनोवेशन लीडर बने। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत विजन में रक्षा उत्पादन अहम स्तंभ है। Project Vishnu, ET-LDHCM जैसी परियोजनाएँ भारत में न केवल तकनीक लाती हैं बल्कि MSME, निजी कंपनियों और DRDO के सहयोग से स्थानीय उद्योग और रोजगार को भी बढ़ावा देती हैं।

इसके अलावा, भारत अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया के साथ QUAD में है और चीन से प्रतिस्पर्धा में। हाइपरसोनिक तकनीक भारत को इस क्षेत्र में रणनीतिक ताकत का स्तंभ बनाती है, जिससे भारत का कूटनीतिक प्रभाव भी बढ़ेगा। हम आपको यह भी बता दें कि चीन के बढ़ते सैन्य उन्नयन और आक्रामक तेवर तथा रूस-अमेरिका के बीच हथियारों की होड़ से सीख लेते हुए नई राष्ट्रीय रक्षा नीति में 'प्री-एम्प्टिव टेक्नोलॉजी' की वकालत करते हुए रक्षा निर्यात को 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा, स्पेस, एंटी-सैटेलाइट और हाइपरसोनिक को साथ-साथ विकसित करने की रणनीति भी बनाई गयी है।

बहरहाल, भारत रत्न डॉ. अब्दुल कलाम ने जिस भविष्य की कल्पना की थी, मोदी सरकार उसे नीति, संसाधन और रणनीति के स्तर पर जमीन पर उतार रही है। हाइपरसोनिक मिसाइल भारत के लिए सिर्फ एक तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा, प्रतिष्ठा और भविष्य के लिए अनिवार्य अस्त्र बन चुकी है। DRDO, ISRO और निजी रक्षा उद्योग के सहयोग से भारत अब उस राह पर है, जहाँ आने वाले दशक में भारत अपनी तकनीक के दम पर न केवल सुरक्षित रहेगा, बल्कि विश्व मंच पर मजबूती से खड़ा भी रहेगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

ब्रिटेन में हजारों भारतीयों को मिलेगी मुफ्त एंट्री और वर्क वीजा

(एजेन्सी)। **ब्रिटेन** ने 22 जुलाई, 2025 से अपनी भारत युवा पेशेवर योजना के लिए आवेदन फिर से खोल दिए हैं। यह योजना 18 से 30 वर्ष की आयु के पात्र भारतीय नागरिकों को दो साल तक यूनाइटेड किंगडम में रहने और काम करने की अनुमति देती है। निःशुल्क बैलट (लॉटरी सिस्टम) के लिए आवेदन 24 जुलाई, 2025 को दोपहर 1:30 बजे कळ तक खुले रहेंगे। यह 2025 के लिए दूसरा और अंतिम बैलट है, फरवरी के पहले दौर के बैलट के बाद, जिसमें 3,000 में से ज्यादातर सीटें भर गई थीं। अब बाकी सीटों पर चुनाव होने हैं।

भारतीय नागरिकों के लिए आवेदन की योग्यता शर्तें

बैलट विंडो: 22 जुलाई से 24 जुलाई (भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे बंद)

वीजा अवधि: 2 वर्ष तक

2025 में कुल सीटें: 3,000

जुलाई में बैलट की सीटें: सीमित (वर्ष का अंतिम दौर)

प्रवेश शुल्क: बैलट में भाग लेने के लिए निःशुल्क

वीजा शुल्क (यदि चुना गया हो): £319 + £1,552 स्वास्थ्य अधिभार

वीजा मिलने के बाद: वीजा प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार दो साल तक वङ में रह सकते हैं। इस दौरान वे कोई भी नौकरी कर सकते हैं, पढ़ाई कर सकते हैं या यात्रा कर सकते हैं।

इस वीजा को दो साल से अधिक के लिए रिन्यू नहीं किया जा सकता। दो साल पूरे होने के बाद उम्मीदवार को भारत वापस लौटना अनिवार्य होगा।

शारजाह में केरल की महिला की संदिग्ध मौत, 15 दिन में दूसरा केस

(एजेन्सी)। **केरल** के कोल्लम की एक 29 वर्षीय महिला संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित अपने अपार्टमेंट में मृत पाई गई। उसके परिवार ने आरोप लगाया है कि उसके पति ने दहेज के लिए उसे परेशान किया था। अतुल्य शेखर, जिनकी शादी 2014 में कोल्लम निवासी सतीश से हुई थी, शारजाह स्थित अपने फ्लैट में मृत पाई गईं। उसकी माँ ने कथित तौर पर आरोप लगाया है कि सतीश ने 18 और 19 जुलाई के बीच उसका गला घोंटा, उसके पेट पर लात मारी और उसके सिर पर प्लेट से वार किया, जिससे उसकी मौत हो गई।

कोल्लम में दहेज निषेध अधिनियम के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के मुताबिक, अथुल्या को शादी में सोना और दोपहिया वाहन दहेज में दिया गया था, लेकिन उसे लेकर प्रताड़ना की जाती रही। आरोप है कि अथुल्या की हत्या गला घोंटकर, पेट पर लात मारकर और सिर पर प्लेट से वार कर की गई। सतीश को दुबई की कंपनी ने नौकरी से निकाल दिया है। दोनों की शादी को 12 साल हो चुके थे और उनकी एक बेटी है। पिछले हफ्ते भी कोल्लम की एक अन्य महिला विपंचीका मणि और उनकी बेटी वैभवी की मौत का यह मामला 8 जुलाई 2025 को सामने आया था। घटना यूएई के शारजाह के अल नाहदा इलाके की है, जहां विपंचीका ने अपने अपार्टमेंट में अपनी डेढ़ साल की बेटी की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली थी।

जर्मनी में पदक जीतकर पर भी विवादों में घिरी भारतीय बैडमिंटन टीम

(एजेन्सी)। **जर्मनी** के राइन-रूहर में चल रहे विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) में मिश्रित टीम कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय बैडमिंटन टीम चयन को लेकर विवादों में घिर गई है क्योंकि चुने गए 12 खिलाड़ियों में से छह को कथित प्रशासनिक चूक के कारण भाग लेने से रोक दिया गया है। प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 12 खिलाड़ियों का चयन किया गया था लेकिन केवल छह को ही प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी गई क्योंकि अधिकारी 16 जुलाई को प्रबंधकों की बैठक के दौरान सभी नामों को सही ढंग से प्रस्तुत करने में विफल रहे। बाहर की गई एक खिलाड़ी अलीशा खान ने इंस्टाग्राम पर लिखा, यह केवल कुप्रबंधन नहीं है- यह करियर को नुकसान पहुंचाने वाला है। हम जवाब, जवाबदेही और हमारी आवाज सुनी जाने की मांग करते हैं। हमने कोई मैच नहीं गंवाया-हमने भाग लेने का अपना अधिकार ही खो दिया। उन्होंने लिखा, यह केवल एक गलती नहीं है। यह एआईयू और हमारी टीम के अधिकारियों द्वारा करियर को नुकसान पहुंचाने वाला है। हम न्याय की मांग करते हैं। सूत्रों के अनुसार बीवी राव और अजीत मोहन भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के अधिकारी थे जो बैठक में शामिल हुए थे। देश में विश्वविद्यालय स्तर के खेलों के लिए नोडल संस्था एआईयू ने इस घटना को स्वीकार किया है। एआईयू सचिव डॉ. पंकज मित्तल ने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार करते हुए पीटीआई को बताया, हमें इसकी जानकारी दे दी गई है और मामले की जांच की जा रही है।

प्राइम वीडियो ने काजोल और ट्विंकल खन्ना के साथ नया टॉक शो शुरू करने की घोषणा की

(एजेन्सी)। अभिनेत्री काजोल और लेखिका ट्विंकल खन्ना "टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल" नामक एक नए टॉक शो की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्राइम वीडियो ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम पर इसकी घोषणा की। बनिजय एशिया द्वारा निर्मित इस टॉक शो में बॉलीवुड की बड़ी हस्तियों की अतिथि सूची शामिल होने का वादा किया गया है। बनिजय एशिया द्वारा परिकल्पित और निर्मित इस कार्यक्रम में बॉलीवुड के सबसे बड़े नामों की अतिथि सूची को शामिल करने का वादा किया गया है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल एक साहसिक, शानदार एवं बेबाक टॉक शो होगा और इसकी मेजबान इसे विशेष अंदाज में पेश करेंगी। प्राइम वीडियो, इंडिया के निर्देशक निखिल मधोक ने कहा, हमें टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह अपनी तरह का पहला टॉक शो है, जिसकी मेजबानी भारतीय मनोरंजन जगत की दो सबसे शानदार हस्तियां करेंगी और यह कार्यक्रम इस शैली को नया आयाम देगा।

टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत, बदल गई आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख

(एजेन्सी)। **केंद्रीय** प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी है। सीबीडीटी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि करदाताओं के लिए एक सहज और सुविधाजनक फाइलिंग अनुभव प्रदान करने के लिए अंतिम तिथि बढ़ाई गई है। धारा 234ए के अनुसार, यदि आप नई नियत तिथि तक आईटीआर दाखिल करते हैं और किसी भी लंबित स्व-मूल्यांकन कर का भुगतान करते हैं, तो आपको कोई ब्याज नहीं देना होगा। चाहे आप स्व-नियोजित हों या वेतनभोगी, नई समय सीमा, दंड और संशोधित फाइलिंग समय-सीमा के बारे में आपको जो कुछ भी जानना आवश्यक है, वह यहां दिया गया है।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मूल्य निर्धारण वर्ष 2025-26 के लिए अधिसूचित आईटीआर में संरचनात्मक और विषयवस्तु संबंधी संशोधन किए गए हैं, जिनका उद्देश्य अनुपालन को सरल बनाना, पारदर्शिता बढ़ाना और सटीक रिपोर्टिंग को सक्षम बनाना है। इन परिवर्तनों के कारण सिस्टम विकास, एकीकरण और संबंधित उपयोगिताओं के परीक्षण के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता पड़ी है। इसके अलावा, 31 मई, 2025 तक दाखिल किए जाने वाले टीडीएस विवरणों से उत्पन्न क्रेडिट जून की शुरूआत में दिखाई देने लगेंगे, जिससे ऐसे विस्तार के अभाव में रिटर्न दाखिल करने की प्रभावी अवधि सीमित हो जाएगी।

इस विस्तार से हितधारकों द्वारा उठाई गई चिंताओं को कम करने और अनुपालन के लिए पर्याप्त समय प्रदान करने की उम्मीद है, जिससे रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया की अखंडता और सटीकता सुनिश्चित होगी। नई कर व्यवस्था और पूंजीगत लाभ नियमों के तहत आयकर स्लैब में बदलाव ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आईटीआर दाखिल करने की प्रक्रिया को जटिल बना दिया है। इसलिए, आयकर विभाग ने इस श्रेणी के करदाताओं को अतिरिक्त समय प्रदान करने के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 45 दिन बढ़ा दी है।

31 अक्टूबर, 2025 तक आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि उन करदाताओं पर लागू होती है जिनके खातों का ऑडिट होना आवश्यक है। आमतौर पर, इस श्रेणी के करदाताओं में कंपनियाँ, स्वामित्व वाली फर्में और किसी फर्म के कार्यकारी साझेदार आदि शामिल होते हैं। इस श्रेणी के करदाताओं को 30 सितंबर तक अपनी ऑडिट रिपोर्ट जमा करनी होती है, जिससे वे 31 अक्टूबर तक अपना आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। आयकर विभाग ने इन करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करने की समय सीमा अभी तक नहीं बढ़ाई है।

विद्यापति मंदिर परिसर में बीहट चेयरमैन बबीता कुमारी हुए सम्मानित

एसबी संवाददाता

विद्यापतिनगर। भक्त और भगवान के मिलन स्थल के रुप में प्रसिद्ध बाबा विद्यापति धाम में मंगलवार को बीहट नगर परिषद के चेयरमैन बबीता कुमारी को विद्यापति मंदिर परिसर में मंदिर परिवार के द्वारा मिथिला पाग और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान विद्यापतिनगर के थानाध्यक्ष फिरोज आलम, एसआई सरिता कुमारी के द्वारा सम्मानित किया गया।

उक्त सम्मान पाकर चेयरमैन बबीता कुमारी ने बताया कि यह सम्मान संपूर्ण बेगूसराय वासियों के लिए हैं। मैं यह सम्मान पाकर अभिभूत हूं। पहली बार मुझे बाबा विद्यापति धाम में आने के बाद यह सम्मान प्रदान किया गया है। इसके लिए मैं संपूर्ण मंदिर परिवार को आभार शुक्रिया व्यस्त करती हूं।

उक्त मौके पर रत्न शंकर भारद्वाज, कैलाश पासवान, हरिओम गिरी, गोपाल गिरि, बादल गिरी, चतुरानन गिरि, नवल गिरि सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद थे।

'सेवा ही मेरा संकल्प है, राजनीति मेरे लिए पद नहीं, जनसेवा का माध्यम है'-प्रो. जोशी

पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो. रीता बहुगुणा जोशी का जन्मदिवस मनाया गया

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

बारा प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार की पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं इलाहाबाद लोकसभा से सांसद रही प्रो. रीता बहुगुणा जोशी का जन्मदिवस मंगलवार को जसरा स्थित ईश्वर दीन छेदीलाल इंटर कॉलेज प्रांगण में बड़े धूमधाम से मनाया गया। सचिन श्रीवास्तव एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं, समाजसेवियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन-अर्चन किया गया एवं केक काटकर शुभकामनाएं दी गईं। जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने आवास पर पुष्पगुच्छ भेंट कर अंगवस्त्रम के साथ शुभकामनाएं दी।

स्थानीय जनमानस और कार्यकर्ताओं ने प्रो. जोशी को माला पहनाकर, बुके एवं अंगवस्त्र भेंट कर अभिनंदन स्वागत किया। इस अवसर पर पर्यावरण संदेश के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत पौधारोपण भी किया गया। अपने उद्बोधन में प्रो. जोशी ने कहा कि आपका जो स्नेह और विश्वास मुझे प्राप्त होता है, वही मेरी सबसे बड़ी शक्ति है। मैं राजनीति को सेवा का माध्यम मानती हूं, पद की इच्छा से नहीं जुड़ी हूं। मेरे पिता स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा जी ने राजनीति को कभी व्यावसायिक नहीं बनने दिया, उसी परंपरा को मैं निभा रही हूं। उन्होंने कहा कि राजनीति में बहुत लोग आए थे टिकट मांग रहें थे नहीं मिला तो कहीं दिखाई नहीं देतें, लेकिन जनता के विश्वास से बहुगुणा परिवार आज भी समाजसेवा में अग्रणी है और चौबीस घंटे जनता की सेवा में समर्पित है।

कार्यक्रम का संचालन आनंद जायसवाल ने किया एवं आभार सचिन श्रीवास्तव ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख लोगों में संत प्रसाद पाण्डेय, विभवनाथ भारती, इन्द्रनाथ मिश्र, मुकेश कोल, चंद्र प्रकाश त्रिपाठी, रामानंद त्रिपाठी, मुन्नन शुक्ला, कमलेश त्रिपाठी, जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी, शिवराम सिंह परिहार, प्रकाश शुक्ल प्रचंड,संतोष त्रिपाठी,जय सिंह पटेल, मनोज गुप्ता, जगत नारायण शुक्ला, अनूप केसरवानी, अमरेश तिवारी, महेंद्र शुक्ला, भगवत कुशवाहा, जितेन्द्र केसरवानी, डॉ. मणिशंकर द्विवेदी, प्रेमनारायण शुक्ला, अनिल कुमार मिश्र, ज्ञानेंद्र पाठक, सुभाष सिंह पटेल, वंदना सिंह, दिनेश प्रजापति, आशीष पाल, अखिलेश सिंह पटेल, राजेश सोनकर, प्यारे मोहन, अखिलेश शुक्ला सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने प्रो. जोशी को दीघार्यु एवं उत्तम स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं।

एचसीएस अदिति ने संभाला करनाल सहकारी चीनी मिल के प्रबंध निदेशक का कार्यभार

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। एचसीएस अदिति ने करनाल सहकारी चीनी मिल के प्रबंध निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर करनाल सहकारी चीन मिल के तकनीकी अधिकारियों, कर्मचारियों और यूनियन के पदाधिकारियों ने प्रबंध निदेशक अदिति का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

बता दें कि प्रबंध निदेशक अदिति 2016 बैच की एचसीएस अधिकारी है। इससे पूर्व वर्ष 2020 में भी करनाल सहकारी चीनी मिल की प्रबंध निदेशक रह चुकी हैं। उनके पिछले कार्यकाल में करनाल सहकारी चीनी मिल का विस्तारीकरण 2200 TCD से बढ़कर 3500 TCD किया गया था। इसके साथ ही, 18 मेगावाट बिजली उत्पादन संयंत्र की स्थापना की गई, और वर्ष 2021 में नई चीनी मिल ने रिफाइंड चीनी का उत्पादन शुरू किया। तत्पश्चात, 18 मेगावाट बिजली उत्पादन संयंत्र से हरियाणा पावर परचेज सेंटर को बिजली निर्यात का कार्य भी शुरू किया गया। उनके नेतृत्व में करनाल सहकारी चीनी मिल ने लगातार तीन बार तकनीकी दक्षता में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त एचसीएस अदिति ने करनाल जिले में एसडीएम घरौंडा एवं जॉइंट कमिश्नर नगर निगम करनाल के पद पर रहते हुए भी सराहनीय कार्य किया है। करनाल सहकारी चीनी मिल में प्रबंध निदेशक अदिति के कार्यभार ग्रहण करने से चीनी मिल में अधिकारियों, कर्मचारियों और किसान भाइयों में हर्ष का माहौल है।प्रबंध निदेशक अदिति ने सभी को आश्वस्त किया है कि भविष्य में भी मिल को पूर्व की भांति नए आयाम स्थापित करने की दिशा में प्रयासरत रहेंगी।

करनाल शुगर मिल के अतिरिक्त उन्हें एस्टेट ऑफिसर, HSVP, करनाल का कार्यभार भी दिया गया है।

भोलानाथ साहित्यिक अकादमी में आनलाइन काव्य गोष्ठी कार्यक्रम सफलता पूर्वक हुआ सम्पन्न

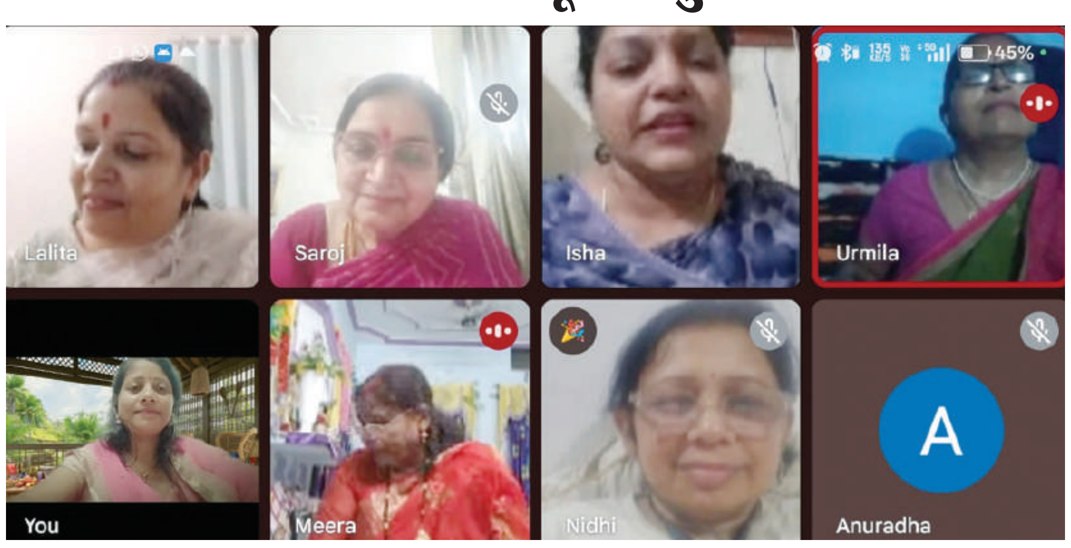

संजना भारती संवाददाता

भोलानाथ साहित्य संस्था समूह में ललिता भोला के अध्यक्षता, मेघा अग्रवाल के संचालन में काव्य गोष्ठी का आयोजन गत् सोमवार को तय किया गया जिसमें प्रमुख अतिथि डॉ. रानी तँवर की उपस्थिति ने मंच पर चार चाँद लगा दिए।

विषय सावन पर सभी कवियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति से भोलानाथ के भजनों को ढोलक की थाप से और मधुर मनोहर बना दिया। काव्य सुधा सावन में बरसाने हेतु देश के अलग-अलग हिस्सों से कवि जुड़े।

डॉ रानी तँवर, कवि नम्रता शर्मा, शिव प्रसाद, रमा भाटी, अनिता सिंह, सरोज चंद्रा पालीवाल, अनुराधा माथुर, सत्यरूपा तिवारी, ललिता भोला, डॉ. मीरा कन्नोजिया, उर्मिला पांडे, निधि चौहान, मेघा अग्रवाल आदि ने सावन सोमवार तथा एकादशी पर काव्य पाठ से किया रूद्राभिषेक।

सरस्वती वंदना सरोज चंद्रा पालीवाल तथा स्वागत गीत कवयित्री उर्मिला पांडे ने किया। अंत में संस्थापिका ललिता भोला, सचिव सत्यरूपा तिवारी, संयोजक एवं विशेष सलाहकार सरोज चंद्रा पालीवाल ने सभी को धन्यवाद व्यक्त करते हुए अविस्मरणीय पल को संजोकर रखने का वादा करते हुए। कार्यक्रम का समापन किया।

दक्षिण-पश्चिम जिले के ऑपरेशन सेल की टीम द्वारा जहरखुरानी गतिविधियों में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार प्रजापति

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम ज़िले की ऑपरेशन सेल की टीम ने जहरखुरानी गतिविधियों में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनके नाम हैं (1) राजू (ड्राइवर) निवासी लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश; (2) सहजादा उर्फ गोल्टा निवासी किशनगंज, बिहार; (3) मोहम्मद आजाद. निवासी किशनगंज, बिहार; और (4) मोहम्मद अताउल्लाह उर्फ गुड्डू निवासी दरभंगा, बिहार। उनकी गिरफ्तारी के साथ, चोरी/लूट के सात मोबाइल फोन, अपराध में इस्तेमाल किया गया एक ऑटो और अपराध में इस्तेमाल की जाने वाली नींद की गोलियों (नशीले पदार्थों) की दस पट्टियाँ बरामद की गई हैं।

अमित गोयल, आईपीएस पुलिस उप आयुक्त ने बताया कि दक्षिण पश्चिम जिले में सक्रिय अपराधियों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए एसीपी विजय सिंह के नेतृत्व में, इंस्पेक्टर हरि सिंह, प्रभारी एंटी-स्नैचिंग सेल के नेतृत्व में एक समर्पित टीम गठित की गई, जिसमें एसआई कमल कांत, हेड कांस्टेबल अनिल, हेड कांस्टेबल नरेंद्र, हेड कांस्टेबल दलीप, हेड कांस्टेबल राजकुमार, हेड कांस्टेबल मुकेश, कांस्टेबल सनी और कांस्टेबल बबलू शामिल थे। टीम ने तकनीकी और मैनुअल इनपुट पर काम करना शुरू किया। चोरी हुए मोबाइल की निगरानी का विश्लेषण किया गया। टीम ने हाल ही में हुई चोरी की घटनाओं से संबंधित 30 किलोमीटर से अधिक के सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया और अपराध के दौरान इस्तेमाल किए गए वाहन का सफलतापूर्वक पता लगाया। सभी चार आरोपियों को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वे चोरी का सामान ठिकाने लगाने और आगे की चोरी की योजना बनाने की फिराक में घूम रहे थे।

आरोपी अकेले बाहरी यात्रियों को निशाना बनाते थे, जो ज्यादातर उत्तर प्रदेश, बिहार आदि की यात्रा करते थे। वे उन्हें नींद की गोलियों से सने कोल्ड ड्रिंक पिलाते थे। जब पीड़ित बेहोश हो जाता, तो वे मोबाइल फोन और कीमती सामान लूट लेते थे। चूँकि ज्यादातर पीड़ित जल्दी में होते थे, इसलिए वे शिकायत दर्ज नहीं कराते थे, जिससे आरोपी पकड़े जाने से बच जाते थे।

हाल ही में हुए मामले में, आरोपियों ने धौला कुआँ के पास पीड़ित को नशीला पदार्थ पिलाया और उसका मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। निरंतर प्रयासों के आधार पर, गिरोह के सभी सदस्यों को गिरफ्तार करके. ई-एफआईआर संख्या 80066022/25 धारा 303(2) बीएनएस, थाना दिल्ली कैंट, मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया गया है। आगे की जाँच जारी है।

सीईटी को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां पूरी: डीसी उत्तम सिंह

करनाल के अभ्यर्थियों को यमुनानगर व पंचकूला लेकर जाने के लिए मिलेगी बसें

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। करनाल के डीसी उत्तम सिंह कहा कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की ओर से 26 व 27 जुलाई, 2025 को आयोजित की जाने वाली संयुक्त पात्रता परीक्षा (सीईटी) को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। करनाल जिला के अभ्यर्थियों को यमुनानगर व पंचकूला लेकर जाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन ने सभी प्लानिंग कर ली है। वहीं जो अभ्यर्थी करनाल में परीक्षा देने आएंगे, उनको परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए स्टल बस सेवा व पार्किंग आदि के लिए आवश्यक रणनीति तैयार कर ली गई है। परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सभी इंतजाम कर लिए हैं।

सीईटी को लेकर मंगलवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। इसके उपरांत जिला अधिकारियों की बैठक लेते हुए डीसी उत्तम सिंह ने परीक्षा को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने कहा कि करनाल जिला के अभ्यार्थियों के लिए पंचकूला और यमुनानगर में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। उन्हें ले जाने के लिए 358 बसों का इंतजाम किया गया है। उन्होंने बताया कि बस के चालक-परिचालकों को निर्देश दिया गया है कि वे बाकायदा आवाज लगाकर अभ्यर्थियों को बताएं कि यह बस इस स्थान पर जा रही है। यदि कोई अभ्यार्थी गलती से दूसरी बस में चढ़ जाता है तो चालक को उसे रास्ते में आने वाले उस नजदीक कस्बे अथवा शहर में उतारना होगा जहां से वह दूसरी बस में सवार हो सके।

डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि रास्ते में बस के खराब होने की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने रिजर्व बसों की व्यवस्था कर रखी है। उन्होंने बताया कि जींद जिला के अभ्यर्थियों के लिए करनाल में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन्हें केंद्रों तक पहुंचने में कोई परेशानी न उठानी पड़े, इसके लिए प्रशासन की ओर से 146 शटल बसों की व्यवस्था की है। इसके लिए बाकायदा नोडल अधिकारी लगाया गया है।

डीसी उत्तम सिंह ने अभ्यार्थियों से भी अपील की है कि वे निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचे और एडमिट कार्ड पर दर्ज हिदायतों का पालन करें। यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र से पहले दिन आना चाहे तो वह एडमिट कार्ड दिखा कर रोडवेज बस में निशुल्क यात्रा कर सकता है। महिला अभ्यर्थियों के साथ उनके सहायक को भी फ्री यात्रा की सुविधा रहेगी। अभ्यर्थियों को फ्री यात्रा के लिए अग्रिम सीट बुक कराने वास्ते परिवहन विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक पर पंजीकरण कराना होगा।

डीसी उत्तम सिंह ने बताया कि परीक्षा केंद्रों में मोबाइल सहित किसी भी प्रकार के डिजिटल उपकरणों का प्रयोग मान्य नहीं होगा। यह उपकरण पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेंगे। ड्यूटी पर तैनात स्टाफ भी केंद्र में मोबाइल फोन नहीं ले जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रश्न पत्रों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाए जाने की भी वीडियोग्राफी कराई जाएगी। शनिवार तथा रविवार को परीक्षा संपन्न होने तक शहर में फोटोस्टेट की दुकानें व कोचिंग सेंटर्स को खुले रखने की इजाजत नहीं होगी। अभ्यर्थियों के साथ आने वाले अभिभावकों से भी अपील की कि वे परीक्षा केंद्र के आसपास एकत्र न हों और ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मचारियों की हिदायतों का पालन करें। पुलिस को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि एक स्थान पर अधिक लोगों को एकत्र न होने दिया जाए और शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए उचित कदम उठाए जाएं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे दोनों दिन अनावश्यक यात्रा से बचें।

बैठक में एसपी गंगा राम पूनिया, अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट, करनाल के एसडीएम अनुभव मेहता, घरौंडा के राजेश सोनी, नीलोखेड़ी के अशोक कुमार, डीडीपीओ संजय टांक, रोडवेज जीएम कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय सर्वेक्षण में पंजाब को प्रथम स्थान मिलने पर शिक्षकों को दी बधाई

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

श्री आनंदपुर साहिब/चंडीगढ़। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए "शिक्षकों से संवाद" कार्यक्रम के तहत ज़िला रूपनगर में एक अनूठी पहल की है। विरासत-ए-खालसा श्री आनंदपुर साहिब के सभागार में आज शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार विजेताओं, सिंगापुर, फिनलैंड, अहमदाबाद से प्रशिक्षित शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों के साथ विशेष बातचीत की और घंटों उनके सुझाव सुने। उनके साथ विधायक एडवोकेट दिनेश चड्ढा भी मौजूद थे।

शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने राष्ट्रीय सर्वेक्षण में पंजाब के शिक्षकों को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई देते हुए कहा कि इस अनूठी पहल का उद्देश्य राज्य के सरकारी स्कूलों में और सुधार या बदलाव के लिए राष्ट्रीय राज्य पुरस्कार विजेताओं, सिंगापुर, फिनलैंड, अहमदाबाद से प्रशिक्षित शिक्षकों, प्रिंसिपलों, हेडमास्टरों, बीपीईओ, केंद्र मुख्याध्यापकों, विभिन्न कार्यक्रमों के नोडल अधिकारियों और स्कूल कैंपस प्रबंधकों से चल रहे सुधारों और कार्यक्रमों पर प्रतिक्रिया प्राप्त करना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों का भविष्य बेहतर बनाने के लिए स्कूल ऑफ एमिनेंस, स्कूल ऑफ हैप्पीनेस और स्कूल ऑफ ब्रिलिएंस की अवधारणा शुरू करके शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने का अपना वादा पूरा किया है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने सरकारी स्कूलों के प्रिंसिपलों, हेडमास्टरों और शिक्षकों को नेतृत्व और प्रबंधन कौशल से लैस करने के लिए सिंगापुर, फिनलैंड, आईआईएम अहमदाबाद से प्रशिक्षण प्राप्त करने की व्यवस्था की है ताकि विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के अनुसार हमारी शिक्षा प्रणाली में सुधार और मजबूती आ सके।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग उनका परिवार है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के कार्यकाल में ऐसा पहली बार हुआ है, जब हमारे शिक्षक सिंगापुर, फिनलैंड और अहमदाबाद में प्रशिक्षण प्राप्त करके शिक्षा ढांचे को और आधुनिक बना रहे हैं। छात्रों ने चंद्रयान 3 का प्रक्षेपण देखा है, आज सरकारी स्कूलों के छात्रों ने जेई मेन्स, जेई एडवांस जैसी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में एस्ट्रोटर्फ खेल के मैदान, शूटिंग रेंज, स्विमिंग पूल तैयार किए जा रहे हैं। स्कूल ऑफ एमिनेंस मॉडल और कॉन्वेंट स्कूलों के बराबर अत्याधुनिक स्कूल बनाए जा रहे हैं, हजारों स्कूलों की चारदीवारी बनकर तैयार हो चुकी है, सरकारी स्कूलों में प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय तैयार हो चुके हैं।

एनडीआरआई करनाल के मिल्क पार्लर पर शुरू हुई डिजिटल यूपीआई भुगतान सेवा

ग्राहकों को अब मिलेगा क्यूआर कोड से भुगतान का लाभ

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। आईसीएआर-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई), करनाल में मंगलवार को मिल्क पार्लर पर डिजिटल यूपीआई भुगतान सेवा की शुरूआत की गई। इस नई सुविधा का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. धीर सिंह ने किया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक बी.डी. फांसल, मुख्य वित्त अधिकारी श्री रामावतार, डेयरी प्रौद्योगिकी प्रभाग के प्रमुख डॉ. डी.एन. यादव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। अब ग्राहक मिल्क पार्लर पर "मर्चेंट क्यूआर कोड" के माध्यम से यूपीआई के जरिए डिजिटल भुगतान कर सकेंगे। इससे न केवल लेन-देन में पारदर्शिता और सुविधा बढ़ेगी, बल्कि डिजिटल इंडिया मिशन को भी बल मिलेगा। अब तक यहां केवल कैश और कार्ड स्वाइप मशीन के जरिये ही भुगतान लिया जाता था। ग्राहक लंबे समय से क्यूआर कोड की सुविधा की मांग कर रहे थे, जिसे अब पूरा कर दिया गया है।

इस मौके पर निदेशक डॉ. धीर सिंह ने कहा कि यह सेवा ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि संस्थान समय के साथ डिजिटल नवाचारों को अपनाते हुए उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पंचकूला के शहरी विकास को नई गति दे रहा है पीएमडीए, स्वच्छता, सड़कों व आधारभूत ढांचे पर फोकस: सीईओ के मकरंद पांडुरंग

प्राधिकरण द्वारा ड्रेनों की सफाई का कार्य पूरा, शहरवासियों को मिली जलभराव से निजात

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशानिर्देशानुसार पंचकूला महानगर विकास प्राधिकरण (पीएमडीए) शहर को स्वच्छ और सुनियोजित बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। मानसून के दौरान शहर में जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए प्राधिकरण द्वारा ड्रेनों की सफाई का कार्य पूरा किया गया है, जिसके चलते मौजूदा बारिश के सीजन में जलभराव की समस्या से लोगों को पूरी तरह से निजात मिली है।

पीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के मकरंद पांडुरंग ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा मानसून सीजन से पहले विभिन्न बैठकों के माध्यम से प्रदेशभर में ड्रेनों वे नालों की सफाई के स्पष्ट निर्देश दिए गए। जिसके अनुरूप प्राधिकरण ने बीते दिनों बरसाती पानी के नालों की सफाई का व्यापक अभियान चलाया और बीईएल फैक्ट्री से औद्योगिक क्षेत्र से होते हुए परशुराम (अमरटेक्स) चौक तक खुला नाला साफ किया गया।

इसके अलावा, दो प्रमुख नालों (एमडीसी से राजीव इंदिरा कॉलोनी तक तथा सेक्टर-1 से औद्योगिक क्षेत्र फेज-1 तक) के अवरोध हटाकर भी जल निकासी सुनिश्चित की गई है। सड़कों के किनारे पानी जमा न हो इसके लिए नियमित रूप से सड़कों की नालियों की सफाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि पीएमडीए के गठन के बाद से शहर में सड़कों की विशेष मरम्मत, बरसाती नालों की सफाई, हरित पट्टियों व पार्कों के रखरखाव, एसटीपी/डब्ल्यूटीपी के संचालन जैसे कार्य नियमित रूप से किए जा रहे हैं। 1 अप्रैल, 2024 के बाद हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण व नगर निगम, पंचकूला से परिसंपत्तियां अधिग्रहित कर प्राधिकरण ने अपने कार्यों को गति दी है। उन्होंने बताया कि एचएसवीपी से हस्तांतरित 11 प्रमुख पार्कों व 19 हरित पट्टियों को अपग्रेड किया जा रहा है। 13.13 करोड़ रुपये की लागत से फव्वारे, ओपन जिम, पगडंडी निर्माण जैसे कार्य किए जा रहे हैं। हर्बल पार्क, सेक्टर-26 के पुनर्विकास का कार्य भी शुरू हो चुका है।

उन्होंने बताया कि शहर की आधारभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पीएमडीए द्वारा 251.17 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इनमें से कई परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और कुछ का कार्य आवंटन भी हो चुका है। साथ ही 446.28 करोड़ रुपये की 7 परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं, जिनमें प्रमुख रूप से सेक्टर 32 में 173 करोड़ रुपये की शूटिंग रेंज, राजीव इंदिरा कॉलोनी में 36 करोड़ रुपये की लागत से 10 एमएलडी एसटीपी, 28.50 करोड़ रुपये की लागत से सेक्टर-5सी एमडीसी में एसटीपी और 28.78 करोड़ रुपये की लागत से सेक्टर-7 में एसटीपी, राजीव गांधी पार्क का अपग्रेडेशन, अटल पार्क का निर्माण, तथा 150 करोड़ रुपये की लागत से एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) की स्थापना शामिल है।

उन्होंने बताया कि पीएमडीए के अधीन ली गई 47.29 किमी लंबी बाहरी सड़कों में से 25.54 किमी की 32 सड़कों की विशेष मरम्मत हेतु 31.92 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। 21.72 किमी लंबी 28 सड़कों की विशेष मरम्मत का कार्य पूरा हो चुका है जबकि 3.82 किमी की 4 सड़कों का कार्य प्रगति पर है। इससे यातायात की सुगमता और सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार आया है। साथ ही, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ के सहयोग से ट्रैफिक जंक्शनों को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की योजना पर कार्य चल रहा है। पहले चरण में, सेक्टर 6/7, चंडीगढ़-कालका राजमार्ग से शुरू होकर सेक्टर 5,8,9,10 तथा 4/11 से होते हुए जीरकपुर-शिमला राष्ट्रीय राजमार्ग तक जाने वाली एक सड़क की डीपीआर तैयार कर ली गई है।

श्री के मकरंद पांडुरंग ने बताया कि बाढ़ और जलभराव से निपटने के लिए शहर का संपूर्ण वर्षा जल निकासी का मास्टर प्लान तैयार करने हेतु सलाहकार की नियुक्ति कर दी गई है। पीएमडीए पंचकूला को न केवल स्वच्छता में अग्रणी बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है, बल्कि एक आधुनिक और सुसज्जित शहरी केंद्र के रूप में विकसित करने का संकल्प भी साकार कर रहा है।

राजौंद के जींद मोड पर कांवड़ियों के लिए लगा विशेष शिविर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद के जींद मोड पर कांवड़ियों के लिए विशेष शिविर लगाया गया है।सुखदेव शर्मा (तहलका स्टूडियो राजौंद) ने बताया कि 17 साल से वह अपनी टीम के साथ कांवड़ियों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि भोले नाथ ने लगातार 17 वर्षों से उनकी सेवा का अवसर उन्हें दिया है। राजौंद नगर के दूकानदार, नागरिक शिविर में सेवा कर रहे हैं। समाजसेवी सुरेश कुमार मित्तल ने राजौंद क्षेत्र से गुजरने वाले शिव भक्तो, कांवड़ियों से अनुरोध किया है इस शिविर में पहुंचकर, अपनी सेवा का अवसर जरूर देवें।

कलायत में कपड़ा दुकान से सूट चोरी मामले में एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा 2 महिला आरोपी गिरफ्तार

संजना भारती संवाददाता

कैथल। कलायत स्थित एक कपड़ा दुकान से सूट चोरी करने के मामले की जांच एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एएसआई मनोज कुमार की टीम द्वारा करते हुए महिला आरोपी हांसी निवासी सुनीता व कविता को हांसी से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस प्रवक्ता प्रवीन श्योकंद ने बताया कि कलायत निवासी अनिल की शिकायत अनुसार उसकी पत्नी कलायत में कॉस्मेटिक व कपड़े की दुकान चलाती है। 31 मार्च की दोपहर अज्ञात द्वारा उनकी दुकान से करीब 30 सुट चोर कर लिए गए। जिस बारे थाना कलायत में मामला दर्ज किया गया। उपरोक्त मामले में 3 आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों महिला आरोपी उक्त वारदात को अंजाम देने में शामिल थी। प्रवक्ता ने बताया कि दोनों महिला आरोपियों से कब्जे से चोरीशुदा सूट बरामद कर लिए गए। दोनो महिला आरोपी न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दी गई।

दुकान से सूट चोरी मामले में दोनों महिला आरोपी पुलिस गिरफ्त में। (छाया: एसबी)

शहीद सियाराम राजकीय संस्कृत मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजौंद में विद्यार्थियों का हो रहा चहुंमुखी विकास

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। शहीद सियाराम संस्कृत मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राजौंद में शैक्षणिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों को एक साथ समाहित करते हुए विद्यार्थियों का चहुंमुखी विकास किया जा रहा है। विद्यालय स्टाफ की अथक मेहनत से यहां के छात्र न केवल पढ़ाई में बल्कि खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, नैतिक शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

विद्यालय के प्रधानाचार्य विरेन्द्र सिंह ने मंगलवार सुबह की प्रार्थना सभा में सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रेरणादायक विचार साझा किए। स्कूल में पहुंचे महानुभाव ने विद्यार्थियों को कागज से विभिन्न चीजे बनाने के गुर सिखाए। उन्होंने विद्यार्थियों को कागज से फूल, माला, लैंप सहित विभिन्न प्रकार की कलात्मक विधाएं सिखाई। जिसे विद्यार्थियों ने बहुत रुचि से सीखा। प्रिंसिपल ने बताया कि इस प्रकार की कलात्मक विद्याएं अक्सर विद्यार्थियों को सीखाने का प्रयास किया जाता रहता है।

उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, समय की महत्ता, स्वच्छता और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता जैसे मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, राष्ट्र प्रेम, संस्कृति से प्यार, सभ्यता और संवेदनशीलता जैसे गुणों का विकास भी होना चाहिए। स्कूल प्रिंसिपल व स्टाफ द्वारा समय-समय पर छात्रों को महान व्यक्तित्वों के जीवन से प्रेरणा लेने की सलाह दी जाती है और विद्यालय में चल रही विभिन्न गतिविधियों की जानकारी साझा की जाती है।

प्राचार्य ने बताया कि विद्यालय में राष्ट्रीय पर्व, धार्मिक त्यौहार, महापुरुषों के जन्मदिवस, निर्वाण दिवस पर भाषण प्रतियोगिता, चित्रकला, एवं खेलकूद की एक्टीविटी करवाई जाती हैं। इससे छात्रों का मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक और नैतिक विकास संतुलित रूप से हो रहा है। विद्यालय प्रबंधन इस दिशा में प्रयासरत है कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक संसाधनों की सुविधा मिले।

प्रिंसिपल ने छात्रों से अपील की कि वे नियमित रूप से पढ़ाई करें, समय का सदुपयोग करें तथा सामाजिक एवं राष्ट्रीय दायित्वों को समझें। शहीद सियाराम संस्कृत मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल शिक्षा के साथ-साथ संस्कार देने वाला एक आदर्श केंद्र बनकर उभर रहा है। इस प्रकार यह विद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयत्नशील है और भविष्य में भी ऐसे ही नवाचारों और प्रेरक पहलों के साथ शिक्षा की अलख जलाता रहेगा।

प्रॉपर्टी आई.डी. स्व-प्रमाणित करने के लिए नगर निगम लगाएगा शिविर-डॉ. वैशाली शर्मा

'ज्यादा से ज्यादा संख्या में सेल्फ सर्टिफाई करवा नागरिक शिविर का उठाएं लाभ'

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। सम्पत्ति धारकों की सुविधा के लिए नगर निगम बुधवार 23 जुलाई को शिविर आयोजित करने जा रहा है। इस शिविर में नागरिक अपनी सम्पत्ति कर आई.डी. को स्व-प्रमाणित करवा सकते हैं। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से लेकर बाद दोपहर 3 बजे तक रहेगा। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने दी।

इन जगहों पर लगेगा शिविर- उन्होंने बताया कि सामुदायिक केन्द्र सेक्टर-6, 7 व 9, सेक्टर-14 स्थित कृष्णा मंदिर, डे केयर सेंटर नजदीक बलदेव स्कूल सेक्टर-13 तथा नगर निगम कार्यालय के प्रथम तल पर मौजूद सभागार में सेल्फ सर्टिफाई कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। नागरिक इन जगहों पर जाकर अपनी सम्पत्ति कर आई.डी. को स्व-प्रमाणित करवा सकते हैं। इसके लिए स्टाफ की ड्यूटि लगाई जा चुकी है।

करीब 59500 प्रॉपर्टी आई.डी. हुई स्व प्रमाणित- उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में करीब 1 लाख 69 हजार प्रॉपर्टी आई.डी. हैं। इनमें से अब तक करीब 59 हजार 500 प्रॉपर्टी आई.डी. स्व प्रमाणित हुई हैं। उन्होंने ऐसे सम्पत्ति धारक जिन्होंने अभी तक अपनी प्रॉपर्टी आई.डी. को स्व-प्रमाणित नहीं करवाया है, से अपील करते कहा है कि वह उपरोक्त बताए गए शिविरों में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर अपनी प्रॉपर्टी आई.डी. को सेल्फ सर्टिफाई अवश्य करवाएं।

क्या है इसका फायदा-निगमायुक्त ने बताया कि प्रॉपर्टी आई.डी. को स्व-प्रमाणित करने से नगर निगम के पास सही डाटा एकत्र होगा। दूसरी ओर इससे सम्बंधित सम्पत्ति मालिक को भी फायदा होगा। उन्होंने बताया कि प्रॉपर्टी आई.डी. को स्व-प्रमाणित करने से सम्बंधित मालिक के अलावा कोई अन्य व्यक्ति उनकी प्रॉपर्टी से सम्बंधित विवरण चैक नहीं कर पाएगा और न ही उससे कोई

छेडखानी कर सकेगा। उसे केवल प्रॉपर्टी मालिक ही देख सकता है, क्योंकि स्व-प्रमाणित करने से प्रॉपर्टी आई.डी. लॉक हो जाती है।

स्व-प्रमाणित कार्य में लगे कर्मचारियों का सहयोग करें नागरिक- उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र की प्रॉपर्टी आई.डी. को शत प्रतिशत सत्यापित करने के लिए निगम कर्मी सम्पत्तियों को स्व-प्रमाणित करने में जुटे हैं। इसके लिए विभिन्न लिपिकों व अप्रैंटिस पर आए छात्रों की ड्यूटि लगाई गई है। उन्होंने सभी सम्पत्ति धारकों से अपील की है कि वे निगम कर्मचारियों का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि प्रॉपर्टी आई.डी. का स्व-प्रमाणित होना उन्हीं के हित में है। सेल्फ सर्टिफिकेशन का कार्य नागरिकों की भागीदारी से ही पूर्ण होगा, इसलिए ज्यादा से ज्यादा नागरिक अपनी प्रॉपर्टी आई.डी. को स्व-प्रमाणित करें।

घर बैठे प्रॉपर्टी आई.डी. को कैसे करें स्व-प्रमाणित-उन्होंने बताया कि नागरिक सबसे पहले एन.डी.सी. पोर्टल पर प्रॉपर्टी डॉट यूएलबी हरियाणा डॉट जीओवी डॉट इन साईट पर जाएं। इसके बाद अगर किसी व्यक्ति ने साईट पर रजिस्ट्रेशन किया हुआ है तो ठीक, नहीं तो न्यू रजिस्ट्रेशन का बटन क्लिक कर उस पर अपना ब्यौरा दर्ज करें। इसके पश्चात अपने रजिस्टर्ड मोबाईल नम्बर से लॉगिन करें तथा सर्च फील्ड में जाकर प्रॉपर्टी आई.डी. दर्ज करें। फिर प्रॉपर्टी का ब्यौरा पर क्लिक कर उसे चेक करें। प्रत्येक ब्यौरा के आगे येस व नो, दोनो विकल्प मिलेंगे। उसे ध्यान से पढने के बाद, सारा डाटा ठीक दिखाई दे, तो उसे येस कर दें। सारी जानकारी को येस करने के बाद अंत में परिवार पहचान पत्र या आधार नम्बर डालकर सब्मिट करें, उसके पश्चात प्रॉपर्टी आई.डी. स्व-प्रमाणित हो जाएगी।

उन्होंने यह भी बताया कि अगर प्रॉपर्टी आई.डी. डाटा में कोई त्रुटि हो, तो रजिस्ट्री व आधार कार्ड जैसे आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर ऑनलाईन आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं, उस त्रुटि को दुरूस्त कर दिया जाएगा।

परीक्षार्थियों के लिए सुगम एवं सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित करें अधिकारी: डीसी प्रीति

26 व 27 जुलाई को सीईटी की परीक्षा नकल रहित एवं शांतिपूर्ण रूप से करवाएं संपन्न

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि आगामी 26 व 27 जुलाई को आयोजित होने वाली सीईटी की परीक्षा के लिए अधिकारी सभी तैयारियां पूरी रखें। परीक्षार्थियों के लिए सुगम एवं सुरक्षित परिवहन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सुनिश्चित करें कि सभी परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंच जाएं। बच्चों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और वे शांत भाव से परीक्षा दें। परीक्षा केंद्रों व स्ट्रांग रूम के बाहर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। सभी अधिकारी अलर्ट मोड में काम करते हुए परीक्षा को नकल रहित, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण रूप से संपन्न करवाएं। इस परीक्षा को एक पर्व के रूप में लें। कोई भी अधिकारी व कर्मचारी छुट्टी पर नहीं रहेगा और दोनों दिन मुख्यालय पर उपस्थित रहना सुनिश्चित करेंगे।

डीसी प्रीति मंगलवार को लघु सचिवालय के वीडियो कांफ्रेंस रूम में परीक्षा की तैयारियों को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दे रहीं थीं। इससे पहले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने वीसी के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए। डीसी प्रीति ने बताया कि सीईटी परीक्षा को समुचित रूप से संपन्न करवाने के लिए तैयारियों जोरों पर चल रही हैं। कर्मचारी चयन आयोग की गाइडलाइन का पालन किया जा रहा है। जींद जिला के अभ्यर्थियों की कैथल जिला में परीक्षा होगी। इन परीक्षार्थियों को उनके सेंटर तक पहुंचाने के लिए आगे बसों की व्यवस्था की गई है। वहीं कैथल से बाहरी जिलों (पंचकूला व चंडीगढ़) में जाने वाले परीक्षार्थियों को सुगम यात्रा उपलब्ध करवाने के लिए पर्याप्त बसों की व्यवस्था की गई है।

10 क्लस्टर में बांटा जिला: डीसी प्रीति ने बताया कि कैथल जिला वासियों के परीक्षा केंद्र पंचकूला व चंडीगढ़ में बनाए गए हैं। परीक्षार्थियों को ले जाने व वापस लाने के लिए स्पेशल बसों की व्यवस्था की गई है। जिले को 10 क्लस्टर में बांटा गया है। इसमें पूंडरी, ढांड, कैथल, राजौंद, कलायत, चीका, कसान, सांघन, सीवन तथा पाई शामिल हैं। जहां से 26 जुलाई को सुबह 3 बजे से बसें पंचकूला व चंडीगढ़ के लिए रवाना होनी शुरू हो जाएंगी। परीक्षार्थी समय पर संबंधित बस स्टॉप पर पहुंचे, ताकि सीट मिलने में कोई परेशानी न हो।

बस स्टैंड पर की जाए व्यवस्था: डीसी प्रीति ने रोडवेज महाप्रबंधक को निर्देश दिए कि बस स्टैंड पर लाउड स्पीकर, पेयजल, शौचालय, परीक्षार्थियों के लिए काउंटर तथा कुछ परीक्षार्थियों के ठहरने की भी व्यवस्था की जाए।

जिला मुख्यालय पर कंट्रोल रूम किया स्थापित: डीसी प्रीति ने बताया कि जिला सचिवालय के द्वितीय तल स्थित कमरा नंबर 324 को कंट्रोल रूम बनाया गया है। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए तीन हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। टोल फ्री नंबर 1800-180-132, 01746-298928 तथा 01746-294040 पर कॉल करके परीक्षा से संबंधित जानकारी ले सकते हैं।

जिले में बनाए 33 परीक्षा केंद्र: डीसी प्रीति ने बताया कि जिला कैथल में 33 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां करीब 34 हजार परीक्षार्थियों परीक्षा देंगे। यह परीक्षा दो-दो शिफ्टों में प्रातः कालीन व सायं कालीन सत्र में करवाई जाएगी। इन सभी केंद्रों पर कड़ी पुलिस सुरक्षा रहेगी। कोई भी स्टाफ सदस्य और परीक्षार्थी परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान लेकर नहीं जाएगा। किसी भी प्रकार की नकल व अन्य अवांछित गतिविधियों को रोकने के लिए परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों सहित तमाम सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं।

परीक्षा केंद्रों व स्ट्रांग रूम के बाहर हो सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

परीक्षा केंद्र व स्ट्रांग रूम के बाहर की जाए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम: एसपी आस्था मोदी ने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों के साथ साथ जहां पर पेपर रखें जाएंगे वहां पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। सीसीटीवी कैमरों के साथ साथ प्राप्त संख्या में पुलिस कर्मचारी तैनात किया जाएगा। परीक्षा के आसपास लोगों को एकत्रित नहीं होने दिया जाएगा और साथ में पेट्रोलिंग भी की जाएगी।

डीसी ने की परीक्षार्थियों व आमजन से अपील: डीसी प्रीति ने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे आभूषण आदि पहनकर परीक्षा केंद्रों पर न आएं, ताकि आपको कोई असुविधा न हो। सभी परीक्षार्थी हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जारी की गई हिदायतों की पालना करें। आमजन भी 26 व 27 जुलाई को सहयोग करें और अगर ज्यादा जरूरी न हो तो यात्रा करने से बचें।

बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद: बैठक में एसपी आस्था मोदी, एडीसी दीपक बाबूलाल करवा, आरटीए गिरीश कुमार, सीईओ जिला परिषद सुरेश राविश, सीटीएम गुरविंद्र सिंह, डीएसपी सुशील प्रकाश, रोडवेज जीएम कमलजीत सिंह, डीआईओ दीपक खुराना सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, 'संजना भारती' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली
वाटसेप नम्बर: 9871221635